

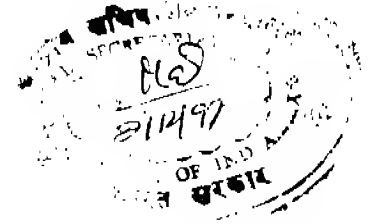


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 55]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 3, 1997/आश्विन 11, 1919

No. 55]

NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 3, 1997/ASVINA 11, 1919

भारतीय औद्योगिक विकास बैंक

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1997

बंधपत्र और निक्षेप (नाम निर्देशन) विनियम, 1997

एफ. सं. विधि 779-ए :— भारतीय औद्योगिक विकास बैंक निदेशक बोर्ड, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) की धारा 37 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के पूर्व अनुमोदन से निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :

- (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय औद्योगिक विकास बैंक बंधपत्र और निक्षेप (नाम निर्देशन) विनियम, 1997 है।
- (2) वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :

इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, :

(क) “अधिनियम” से भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) अभिप्रेत हैं;

(ख) “बंधपत्र” से अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के खंड (क) के अनुसरण में विकास बैंक द्वारा जारी और विक्रय किए गए बंधपत्र या डिबेंचर अभिप्रेत हैं ;

(ग) “निक्षेप” से अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अनुसरण में विकास बैंक द्वारा स्वीकृत धनराशि का निक्षेप अभिप्रेत है;

(घ) “निक्षेप रसीद” से किसी निक्षेप की बाबत विकास बैंक द्वारा जारी की गई रसीद अभिप्रेत है और निक्षेप प्रमाणपत्र उसके अंतर्गत है ;

(ङ.) “धारक” से किसी बंधपत्र की बाबत बंधपत्र का धारक या किसी निक्षेप की बाबत निक्षेपकर्ता अभिप्रेत है ;

(च) उन शब्दों और पदों के, जो इन विनियमों में प्रयुक्त किए गए हैं और परिभाषित नहीं किए गए हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित किए गए हैं क्रमशः वे अर्थ होंगे जो उनके अधिनियम में हैं।

3. बंधपत्रों या निक्षेपों की बाबत नाम निर्देशन :

(1) यथास्थिति, किसी धारक द्वारा या सभी धारकों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया नामनिर्देशन इन विनियमों में विनिर्दिष्ट परिस्थितियों में और विस्तार तक विकास बैंक द्वारा मान्यता प्राप्त होगा।

(2) कोई एकमात्र धारक या सभी धारक संयुक्त रूप से या उत्तरजीवी धारक जो ऐसा (ऐसे) व्यक्ति नहीं है (हैं) :—

(i) जो किसी पद के धारक के रूप में बंधपत्र या निक्षेप धारण कर रहा है; या

(ii) किसी न्यास के लिए कार्य कर रहा है; या

(iii) बंधपत्र या निक्षेप में कोई फायदाप्रद हित रखने वाले किसी अन्य व्यक्ति के लिए किसी अन्य हैसियत में कार्य कर रहा है, एक या चार से अनधिक व्यक्तियों को, जिनके अंतर्गत अवयक्सली शामिल है नामनिर्देशित कर सकेगा जो उस या उनकी मृत्यु हो जाने की दशा में बंधपत्र या निक्षेप की बाबत विकास बैंक द्वारा संदेय रकमों का (के) हकदार होगा (होंगे):

परन्तु जहां नाम निर्देशिती अवयस्क है वहां धारक नामनिर्देशन करते समय नामनिर्देशिती की अवयस्कता के दौरान धारक (धारकों) की मृत्यु हो जाने की दशा में बंधपत्र या निक्षेप की बाबत शौध्य रकमों प्राप्त करने के लिए किसी व्यक्ति को भी नियुक्त कर सकेगा (सकेंगे)।

स्पष्टीकरण

नामनिर्देशन केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार, किसी स्थानीय प्राधिकरण, उसके पद के आधार पर अभिहित किसी व्यक्ति या किसी धार्मिक या पूर्य न्यास के पक्ष में भी किया जा सकेगा।

4. नामनिर्देशन का प्रतिस्थापन या रद्दकरण :

(1) विनियम 3 के उप-विनियम (2) के अधीन किया गया कोई नामनिर्देशन बाद में प्रतिस्थापित या रद्द किया जा सकेगा।

(2) किसी नामनिर्देशन, नामनिर्देशन के प्रतिस्थापन या नामनिर्देशन के रद्दकरण के विधिमाम्य होने के लिए वह ऐसे प्ररूप में विकास बैंक को किया जाएगा जिसमें आवश्यक जानकारी होगी जिसका अनुमोदन विकास बैंक करे और उसके साथ सुसंगत बंधपत्र या निक्षेप की रसीद भी होगी।

(3) कोई विधिमाम्य नामनिर्देशन, नामनिर्देशनों का प्रतिस्थापन या नामनिर्देशन का रद्दकरण उस तारीख को प्रभावी समझा जाएगा जिसको वह विकास बैंक द्वारा प्राप्त किया गया था। नामनिर्देशन, नामनिर्देशन का प्रतिस्थापन या नामनिर्देशन का रद्दकरण विकास बैंक के सुसंगत अभिलेखों में रजिस्टर किया जाएगा और विकास बैंक द्वारा बंधपत्र या निक्षेप रसीद पर उपयुक्त पृष्ठांकन किया जाएगा।

(4) नामनिर्देशन का प्रतिस्थापन या नामनिर्देशन का रद्दकरण एक से अधिक धारकों द्वारा संयुक्त रूप से धारित किसी बंधपत्र या निक्षेप की दशा में तब तक विधिमाम्य नहीं होगा जब तक कि ऐसा नामनिर्देशन या रद्दकरण सभी उत्तरजीवी धारकों द्वारा नहीं किया जाता है।

5. नए बंधपत्र या नई निक्षेप रसीद के जारी किए जाने के कारण नामनिर्देशन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा :

विद्यमान बंधपत्र या निक्षेप रसीद के बदले किसी नए बंधपत्र या नई निक्षेप रसीद जारी किए जाने से इन विनियमों के अधीन किए गए नामनिर्देशन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

6. रकम प्राप्त करने का नामनिर्देशिती का अधिकार :

(1) धारक के जीवनकाल के दौरान एकमात्र नामनिर्देशिती की मृत्यु की तारीख से नामनिर्देशन प्रवृत्त नहीं रह जाएगा।

(2) जहां नामनिर्देशन एक से अधिक व्यक्तियों के पक्ष में है वहां धारक (धारकों) की मृत्यु की दशा में बंधपत्र या निक्षेप की बाबत शौध्य रकम प्राप्त करने का अधिकार केवल प्रथम नामित नामनिर्देशिती को होगा। जहां प्रथम नामित नामनिर्देशिती की मृत्यु धारक से पहले हो गई है और धारक ने नामनिर्देशन रद्द या नामनिर्देशन प्रतिस्थापित नहीं किया है वहां द्वितीय नामित नामनिर्देशिती मृत धारक के बंधपत्र या निक्षेप की बाबत रकम प्राप्त करने का हकदार होगा और इसी रीति से क्रमिक नामनिर्देशिती की मृत्यु पर अगला नामित नामनिर्देशिती ऐसे बंधपत्र या निक्षेप की बाबत रकम प्राप्त करने का हकदार होगा।

7. नामनिर्देशन रद्द समझा जाना :

धारक द्वारा किसी बंधपत्र के अंतरण पर या विकास बैंक द्वारा किसी बंधपत्र के मोचन पर ऐसे बंधपत्र की बाबत नामनिर्देशन रद्द कर दिया समझा जाएगा और ऐसे अंतरण या मोचन की तारीख से प्रवृत्त नहीं रह जाएगा जब तक कि अंतरिती, अंतरण की दशा में, विकास बैंक को लिखित रूप में सूचना नहीं देता है कि वह ऐसा बंधपत्र अपने नाम में अंतरित नहीं करवाना चाहता है।

8. नामनिर्देशिती को संदाय पर उन्मोचन :

किसी बंधपत्र या निक्षेप की बाबत, जिससे नामनिर्देशन संबंधित है, नामनिर्देशिती को विकास बैंक द्वारा संदाय इन विनियमों के अनुसार विकास बैंक के दायित्व का पूर्ण उन्मोचन होगा :

परन्तु इस विनियम में अंतर्विष्ट किसी बात से किसी व्यक्ति के किसी अधिकार या दावे पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा जो उस व्यक्ति का ऐसे नामनिर्देशिती के विरुद्ध हो जिसे इन विनियमों के अधीन संदाय किया जाता है।

प्रमाणित किया जाता है कि भारत सरकार ने दिनांक 8-7-1997 के अपने पत्र एफ. सं. 10/6/97. आई. एफ. आई. और इसके साथ पठित पत्र दिनांक 26-8-1997 अपने पत्र एफ. सं. 10/6/97. आई. एफ. आई. के जरिये भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, बंधपत्र और निक्षेप (नामनिर्देशन) विनियम, 1997 को अपना अनुमोदन दिया है।

**INDUSTRIAL DEVELOPMENT BANK OF INDIA
NOTIFICATION**

New Delhi, the 1st October, 1997

Bonds and Deposits (Nomination) Regulations, 1997

F. No. LD 779-A:—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 37 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), the Board of Directors of the Industrial Development Bank of India, with the previous approval of the Central Government, makes the following regulations, namely : --

1. Short title and commencement :-

- (1) These regulations may be called the Industrial Development Bank of India Bonds and Deposits (Nomination) Regulations, 1997.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. Definitions

In these regulations, unless the context otherwise requires :-

- (a) "the Act" means the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964);
- (b) "bond" means the bond or debenture issued and sold by the Development Bank pursuant to clause (a) of sub-section (1) of section 11 of the Act;
- (c) "deposit" means the deposit of money accepted by the Development Bank pursuant to clause (d) of sub-section (1) of section 11 of the Act;
- (d) "deposit receipt" means the receipt issued by the Development Bank in respect of any deposit and includes a certificate of deposit;
- (e) "holder" means the holder of a bond or depositor in respect of a deposit;
- (f) Words and expressions used and not defined in these regulations but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. **Nomination in respect of bonds or deposits :-**

- (1) A nomination made by a holder or as the case may be, all the holders jointly, shall be recognised by the Development Bank in the circumstances and to the extent specified in these regulations.
- (2) A sole holder or all the holders jointly or the surviving holder or holders not being person(s) :-
 - (i) holding the bond or deposit as holder of an office; or -
 - (ii) acting for a trust; or
 - (iii) acting in any other capacity for any other person with a beneficial interest in the bond or deposit,

may nominate one or more persons not exceeding four including a minor, who shall in the event of his or their death be entitled to the amounts payable by the Development Bank in respect of the bond or deposit:

Provided that where the nominee is a minor, the holder(s) shall at the time of making the nomination also appoint any person to receive the amounts due in respect of the bond or deposit in the event of death of the holder(s) during the minority of the nominee.

Explanation

Nomination may also be made in favour of Central or State Government, a local authority, any person designated by virtue of his office or a religious or charitable trust.

4. **Substitution or cancellation of nomination :-**

- (1) A nomination made under sub-regulation (2) of regulation 3 may subsequently be substituted or cancelled.
- (2) For a nomination, substitution of nomination or cancellation of nomination to be valid, it shall be made to the Development Bank in such form

containing necessary information as may be approved by the Development Bank accompanied with the relevant bond or deposit receipt.

- (3) A valid nomination, substitution of nomination or cancellation of nomination shall be deemed to be effective on the date on which it was received by the Development Bank. The nomination, substitution of nomination or cancellation of nomination shall be registered in the relevant records of the Development Bank and a suitable endorsement shall be made by the Development Bank on the bond or deposit receipt.
- (4) The substitution of nomination or cancellation of nomination shall not be valid in the case of a bond or deposit held jointly by more than one holders, unless such substitution or cancellation is made by all the surviving holder(s).

5. Nomination not affected due to issue of new bond or deposit receipt:-

The nomination made under these regulations shall not be affected by the issue of a new bond or deposit receipt in lieu of the existing one.

6. Nominee's right to receive the amount :-

- (1) A nomination shall cease to be in force from the date of death of the sole nominee during the lifetime of the holder.
- (2) Where the nomination is in favour of more than one person, the nominee first named shall alone have the right to receive the amount due in respect of the bond or deposit, in the event of the death of the holder(s).

Where the nominee first named has pre-deceased the holder and the holder has not cancelled the nomination or substituted the nomination, the nominee second named shall be entitled to receive the amount in respect of the bond or deposit of the deceased holder and in the same manner, on death of a successive nominee, the nominee next named shall be entitled to receive the amount in respect of such bond or deposit.

7. Deemed cancellation of nomination :-

On the transfer by the holder or the redemption by the Development Bank of any bond, the nomination shall, in respect of such bond, be deemed to have been cancelled and shall cease to be in force from the date of such transfer or redemption, unless the transferee, in the case of transfer, advises the Development Bank in writing that he does not desire such bond to be transferred to his name.

8. Discharge on payment to the nominee :-

Payment by the Development Bank to the nominee in accordance with the provisions of these regulations in respect of a bond or deposit to which the nomination relates shall constitute a full discharge to the Development Bank of its liability

Provided that nothing contained in this regulation shall affect the right or claim which any person may have against the nominee to whom any payment is made under these regulations.'

Certified that Government of India have given approval to the Industrial Development Bank of India Bonds and Deposits (Nomination) Regulations, 1997 vide their letter F.No. 10/6/97 - IF.I dated 8.7.1997 read with letter F.No. 10/6/97 - IF.I dated 26.8.1997

B. D. USHIR, Chief General Manager (Legal)